News सिटी चीफ
वर्ष–15, अंक–218
पृष्ठ–8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो, जीनी है जिंदगी तो आगे देखो!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, बुधवार, 13 नवम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

RJD-JDU को सता रहा किस बात का डर?

पीके के आने से बिहार उपचुनाव कैसे हुआ दिलचस्प...

नई दिल्ली. *Bihar by polls* लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में चार सीटों पर हो रहे उपचुनाव का कोई सटीक पूर्वानुमान नहीं है। प्रशांत किशोर (पीके) की नई पार्टी जन सुराज ने बिहार में किसी चुनाव को लगभग दो दशक बाद पहली बार त्रिकोणीय बना दिया है। प्रचार की शैली और गठबंधनों की बेचैनी बता रही कि परिणाम बड़ा संदेश दे सकता है। जातीय समीकरण में उलट–पलट के सहारे सत्ता की सियासत पर असर डाल सकता है।

पीके के लिए अग्निपरीक्षा है ये उपचुनाव चुनावी रणनीति को पीछे छोड़कर राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने वाले पीके के लिए भी यह उपचुनाव बड़ी अग्निपरीक्षा की तरह है। साथ ही तीन दशकों से बिहार की सत्ता में गहराई तक जड़ जमाकर बैठे दोनों बड़े गठबंधनों (राजग और महागठबंधन) के लिए भी यह मुश्किल घड़ी है, क्योंकि जन सुराज का प्रयास दोनों गठबंधनों के कोर वोटरों में सेंधमारी कर अपना रास्ता बनाने का है।

जाहिर है, परिणाम ही बताएगा कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा के आम चुनाव के पहले सियासत की कैसी बिसात बिछेगी? राजद, जदयू एवं भाजपा के कोर वोटर कितना एकजुट रह पाएंगे? पीके किसी परिवर्तन के वाहक बनेंगे या खुद परिवर्तित होकर फिर से पारिश्रमिक लेकर राजनेताओं की कुंडली बांचने लग जाएंगे?

सेमीफाइनल साबित होगा ये उपचुनाव
फिलहाल इतना साफ है कि इस उपचुनाव से बिहार की सत्ता में कोई परिवर्तन नहीं होने जा रहा है, किंतु आम चुनाव से एक वर्ष पहले हो रहे इस सियासी संघर्ष को सेमीफाइनल की तरह माना जा रहा है। उपचुनाव के परिणाम की तरह भविष्य की संभावनाओं के भी तीन कोण होंगे।

सवर्ण राजनीति हाशिये पर
बिहार में पिछले चार दशक से भी ज्यादा समय से सवर्ण राजनीति हाशिये पर है। लालू प्रसाद के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने माय (यादव–मुस्लिम) समीकरण के सहारे भाजपा को अपने बूते बिहार की सत्ता से अभी तक वंचित रखा है। इसी तरह नीतीश कुमार के जदयू ने अन्य पिछड़ी जातियों को गोलबंद कर भाजपा एवं राजद की राजनीति को संतुलित करके रखा है। भाजपा को अपने कोर वोटरों के साथ–साथ नीतीश कुमार की पिछड़े वर्ग में पैठ का भी सहारा है। केंद्र में सरकार के साथ खड़े होने से नीतीश कुमार के वोट बैंक में एकजुटता आई है।

जन सुराज दे सकती झटका
लोकसभा चुनाव में भी जदयू का प्रदर्शन अन्य की तुलना में बेहतर रही है। पिछली बार की तरह जदयू पर चिराग पासवान जैसा ग्रहण भी नहीं है। सबके अपने–अपने वोट बैंक और अपने–अपने समीकरण हैं। किंतु जन सुराज की धीरे–धीरे मजबूत होती रणनीति से पहली बार लग रहा कि बिहार की राजनीति में कुछ होने जा रहा है।

लालू की राजनीति को लग सकता झटका
पीके का प्रदर्शन अगर ठीक रहा तो लालू के परिवारवाद की राजनीति को भी झटका लग सकता है।बहरहाल, तीनों ताकतों की सघन परीक्षा होनी है। परिणाम बताएगा कि लालू यादव का वोट बैंक तेजस्वी यादव में कितना ट्रांसफर हो सका है। यह भी कि लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार का लगभग बिखर चुका लवकुश समीकरण फिर एकजुट हो सकता है या नहीं और प्रशांत किशोर के लिए तो यह उपचुनाव का परिणाम करो या मरो की स्थिति लेकर आएगा।

लगभग दो वर्षों से बिहार के गांव–गांव में पैदल घूमकर पीके ने दो अक्टूबर को अपनी पार्टी की नींव रखी है। पहले दिन ही दावा किया था कि उपचुनाव में ही सबका सफाया कर देंगे। अब दावा नहीं, दिखाने की बारी है। जीते तो सिकंदर और नहीं तो..।

एबॉर्शन के नाम पर डॉक्टर कांड कर फरार

काट दी छोटी आंत और बच्चेदानी, महिला की मौत

आरा. आरा शहर में अबॉर्शन के दौरान डॉक्टर ने छोटी आंत और बच्चेदानी काट दी थी। उस महिला की इलाज के 14वें दिन मौत हो गई। वो सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती थी, सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुंधुआं गांव निवासी इंद्रजीत कुमार की 25 वर्षीय पत्नी ज्योति कुमारी है।

महिला की मौत के बाद लोग आक्रोशित हो गए। डॉक्टर की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल के पास शव को रखकर सड़क जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक जाम रहा।

सूचना पाकर नवादा थाना में कार्यरत दरोगा मो. शरफुद्दीन और महिला दारोगा खुशबू कुमारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे। परिजन और स्थानीय लोगों को समझाकर जाम को हटवाया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। मामला नवादा थाना क्षेत्र के महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल का है।

मृतका के पति इंद्रजीत कुमार ने बताया कि पत्नी ज्योति कुमारी गर्भवती थी। 26 अक्टूबर की सुबह जब वह शौच करने के लिए जा रही थी। तभी घर में ही गिर गई। उसके पेट में तेज दर्द होने लगा था। गांव के ही महेश नामक ग्रामीण चिकित्सक से उसे दिखाया।

उसने कहा कि मैं तुम्हें महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल में ले चलता हूं। वहां सब ठीक हो जाएगा। 28 अक्टूबर को महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल ले आया। जहां चिकित्सक ने कहा कि पेट में बच्चा खराब हो गया है।

आपकी पत्नी का अबॉर्शन करना होगा। अबॉर्शन के दौरान उसकी छोटी आंत और बच्चेदानी को काट दी। जिसके कारण महिला की हालत काफी नाजुक हो गई। डॉक्टर ने उसे धनुपरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कर कहा गया कि इसका पूरा खर्चा मैं दूंगा। इसके बाद डॉक्टर वहां से भाग निकला।

परिजन उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण परिजन उसका इलाज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ही करा रहे थे। जहां 14 दिन इलाज के बाद सोमवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया।

मृतका के पति इंद्रजीत कुमार ने ग्रामीण चिकित्सक महेश व महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल के चिकित्सक सुशील पासवान को गिरफ्तार करने और मुआवजा की मांग की है। इसके अलावा उसने पुलिस पर भी कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि मृतका को सिर्फ एक वर्ष की एक पुत्री सौम्या है।

मोतिहारी में युवक की हत्या दरवाजे पर फेंका शव

पूर्वी चंपारण में युवक का शव बरामद हुआ है. जिला के दरपा थाना क्षेत्र में युवक का शव उसके दरवाजे से बरामद हुआ. आशंका व्यक्त की जा रही है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है. घटना का कारण पट्टीदारों के बीच पुश्तैनी जमीन के बंटवारा को बताया जा रहा है.घटना दरपा थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव की है. मामले में सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दरपा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मृतक की पहचान दरपा थाना के बिसुनपुरवा गांव निवासी 25 वर्षीय आकाश कुमार के रूप में हुई है.मृतक के पिता विद्या राय ने बताया कि, पट्टीदारी में कुछ दिनों से जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है. इसको लेकर पूर्व में भी पट्टीदारों द्वारा हम पर हमला किया गया था. बीती रात मेरे बेटा को घर से बुलाकर वे लोग ले गए. जब देर तक वह नहीं आया, तो उसकी तलाश शुरू की. लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका.दरपा थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि, करीब दो से ढाई बजे के बीच एक युवक की गला दबाकर हत्या करके उसके शव को घर के पास फेंक देने की सूचना मिली. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचा और घटना की जांच शुरू कर दी. परिजनों ने पट्टीदारों पर जमीन के बंटवारा को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है. इस मामले में कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है.

भोजपुर में दिल दहलाने वाला हादसा, युवक को ट्रक ने कुचला; फिर 20 मीटर तक घसीटा

आरा. भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा–छपरा हाइवे पर झलकुनगर मोड़ के समीप सोमवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक 40 वर्षीय बहादुर राय कोईलवर थाना क्षेत्र के छोटका चंदा निवासी कुलदीप राय के पुत्र थे। हादसा इतना दर्दनाक था कि बाइक सवार का गर्दन धड़ से अलग हो गया है। हादसे के बाद ट्रक करीब 60 फीट दूर तक गर्दन कटे शव को घसीटकर लेकर गया। दुर्घटना से आक्रोशित लोगों ने आरा–छपरा हाईवे को जाम कर दिया। मौके पर पुलिस पहुंच आक्रोशित लोगों को समझाने में लगी है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। चालक फरार बताया जाता है।

प्रेमिका की तय हुई शादी तो नाराज हुआ प्रेमी, घर में घुसा, छत से धक्का देकर ली जान

रोहतास. रोहतास में सनकी प्रेमी ने एकतरफा प्यार में एक लड़की की जान ले ली. इधर मामले को लेकर परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है. घटना जिले के संझौली इलाके की है.मिली जानकारी के मुताबिक, संझौली थाना के एक गांव में लड़की की हत्या की गई है. आरोप है कि घर वालों ने जब लड़की की शादी ठीक कर दी तो गांव के ही कथित प्रेमी ने घर में घुसकर लड़की के साथ मारपीट की, तथा छत से धक्का दे दिया. जिससे युवती की मौत हो गई.इस संबंध में मृतका की मां ने संझौली थाना में केस दर्ज कराया है. मुख्य आरोपी सहित छह लोगों पर नामजद केस दर्ज कराया गया है. वहीं पुलिस कांड दर्ज कर मामले की जांच कर रही है. बता दें कि मृतका का भाई सीआरपीएफ का जवान है. कल ही वह अपनी बहन की शादी तय कर लौटा था और आज वारदात हो गई.

50 लाख की रंगदारी दो, नहीं तो...,

भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह को जान से मारने की धमकी

भोजपुरी सुपरस्टार और अभिनेत्री अक्षरा सिंह से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी मिली है। अपराधी ने दो बार फोन करके यह रंगदारी मांगी। इसके बाद अक्षरा सिंह की ओर से पटना के दानापुर थाना में लिखित शिकायत दी है। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने कहा किकि अक्षरा सिंह की ओर से शिकायत मिली है। इसकी जांच की जा रही है। जांच के बाद सत्यापन होने पर प्राथमिकी और आगे अनुसंधान की कार्रवाई की जाएगी।

50 लाख रुपये दे दो नहीं जान से मार देंगे
अभिनेत्री अक्षरा सिंह की ओर से बताया कि 11 नवंबर को देर रात अज्ञात नंबर से उनके मोबाइल पर कॉल आया है। पहला कॉल रात के 12 बजकर 20 मिनट और दूसरा कॉल 12 बजकर 21 मिनट पर उनके मोबाइल पर आया। कॉल करने वाले ने कहा कि दो दिन अंदर 50 लाख रुपये दे दो नहीं जान से मार देंगे। जब तक अक्षरा सिंह कुछ बोलतीं तब तक अपराधी गाली–गलौज करने लगा। इसके बाद अक्षरा सिंह की ओर से फोन काट दिया गया। अक्षरा सिंह को धमकी मिलने के बाद उनके परिजन और फैंस चिंतित हैं। वह पटना पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।